रूस पर कई देशों ने लगाई पाबंदी

जर्मनी ने रूस के साथ एक अहम गैस पाइपलाइन पर काम रोक दिया है। इन पाबंदियों का असर भारत पर भी पड़ेगा। खासतौर पर, हथियारों की खरीद पर। भारत के लिए रूस 60 प्रतिशत के साथ सबसे बड़ा हथियार सप्लायर है।

आरती सिंह।।

व्लादिमीर पूतिन के यूक्रेन के दोनबास क्षेत्र के दोनेत्सक और लुहांस्क को अलग देश के रूप में मान्यता देने के बाद अमेरिका, यूरोपीय देशों, जापान, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा ने रूस पर कड़े आर्थिक प्रतिबंधों की घोषणा की है। इन पाबंदियों के कारण रूस के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार से फंड जुटाना मुश्किल हो गया है। जर्मनी ने रूस के साथ एक अहम गैस पाइपलाइन पर काम रोक दिया है। इन पाबंदियों का असर भारत पर भी पड़ेगा। खासतौर पर, हथियारों की खरीद पर। भारत के लिए रूस 60 प्रतिशत के साथ सबसे बड़ा हथियार सप्लायर है। अब अमेरिका, भारत पर रूस से हथियार ना खरीदने का दबाव बढ़ा सकता है। इसकी आंच एस–400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम सौदे पर भी पड़ सकती है। भारत ने अक्टूबर 2018 में रूस के साथ 5 अरब डॉलर में इसकी पांच यूनिटें खरीदने का समझौता किया था। इनमें से एक यूनिट लगाई जा चुकी है और दूसरी मार्च तक लगने की उम्मीद है। बाकी की तीन यूनिटें रूस ने इस साल सितंबर तक भारत को देने का वादा किया है। अमेरिका ने भारत को इस सौदे के लिए मना किया था। उसने 2017 के अपने काट्सा कानून (काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सैंक्शंस एक्ट) के तहत भारत पर प्रतिबंध लगाने की धमकी दी थी। हालांकि, अभी तक उसने ऐसा नहीं किया है। रूस पर प्रतिबंध से ब्रह्मोस मिसाइलों का निर्यात भी प्रभावित हो सकता है। भारत और रूस ने मिलकर इस मिसाइल का निर्माण किया है।

हाल ही में भारत को फिलीपींस से इसके लिए 36.5 करोड़ डॉलर का पहला ऑर्डर मिला है। भारत और रूस ने चार फ्रिगेट्स को मिलकर बनाने के साथ एसयू–एमकेआई और मिग–29 एयरक्राफ्ट की सप्लाई का भी समझौता किया है। इन पर प्रतिबंधों की आंच आ सकती है। इसके अलावा, दोनों देश बांग्लादेश में रूपपुर न्यूक्लियर पावर प्लांट बनाने के लिए भी सहयोग कर रहे हैं, अमेरिकी प्रतिबंधों से यह प्रॉजेक्ट भी प्रभावित हो सकता है। इन पाबंदियों से अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल के दाम में और बढ़ोतरी हो सकती है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बुरी खबर होगी। यूक्रेन क्राइसिस के कारण पहले ही क्रूड ऑयल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच चुकी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी मंगलवार को कहा था कि तेल के बढ़ते दाम से वित्तीय स्थिरता को लेकर चुनौती बढ़ सकती है। इसके अलावा, भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ने रूस में करीब 14 अरब डॉलर का निवेश किया हुआ है, जिसके इस प्रतिबंध से प्रभावित होने की आशंका है। इन पाबंदियों से रूस और भारत के बीच 10 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार पर भी आंच आ सकती है, जिसे 2025 तक दोनों देशों ने बढ़ाकर 25 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा है।

प्रश्नों का रास्ता

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा।

कुछ ऐसा ही सिजोफ्रेनिक रोगियों के मामले में भी पाया गया है। या, इसके विपरीत, पार्किंसंस रोग वाले रोगियों में (कम धार्मिकता). एक प्रयोग में, ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (टीएमएस) गैर–मिरगी वाले व्यक्तियों में सही टेम्पोरल लोब पर लागू होता है, जिसके परिणामस्वरूप ष्उपस्थिति की भावनाष् की रिपोर्ट होती है, जिसे कुछ लोगों ने धार्मिक रूप से वर्णित किया है (उदाहरण के लिए, भगवान या स्वर्गदूतों की उपस्थिति के रूप में)। वर्तमान न्यूरोइमेजिंग अध्ययन से पता चलता है कि धार्मिक राज्य और विश्वास मस्तिष्क गतिविधि के वितरण में पहचानने योग्य परिवर्तनों से जुड़े हैं। जब ये मामले दुर्लभ होते हैं, तब भी वे अक्सर अटकलें उत्पन्न करने के लिए पर्याप्त होते हैं। इन सभी जांचों से दार्शनिक और धार्मिक प्रश्नों का रास्ता खुलता है जैसे मानव धार्मिकता की प्रकृति क्या है?

संपादकीय

सेना में महिला

यूक्रेन में सेना में काम करने वाली महिलाओं का खूब सम्मान किया जाता है और उनके सम्मान में बड़े बड़े होर्डिंग लगाये जाते है। नादिया संवेचकों,यूक्रेन की सेना में पायलट रही है,उन्हें रूस की सेना ने कैद कर लिया था। उस दौरान यूक्रेन की संसद में उनका चुना जाना अभूतपूर्व सम्मान था। 2015 में डोनबास में एक अस्थायी युद्धविराम के बाद रूस और यूक्रेन में एक समझौते के अंतर्गत उन्हें कैद से छोड़ा गया था। यूक्रेन के सोवियत संघ से अलग होने के बाद से ही महिलाएं यूक्रेन की सेना में युद्धक भूमिकाओं सहित सेवा दे रही हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, 2014 में क्रीमिया संकट के बाद से यूक्रेन की सेना में महिलाओं की संख्या दोगुनी से अधिक हो गई है। ऐसा माना जाता है कि यूक्रेन की सेना कमजोर न पड़े इसलिए महिलाएं बड़ी संख्या में यूक्रेन की सेना में शामिल हो गई हैं।

रूस को इस समय यूक्रेन में कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है। यूक्रेनियों के गुरिल्ला हमलों में रूसी बख्तरबंद गाड़ियां और टैंक नष्ट हो जा रहे हैं और सैनिकों को आत्मसमर्पण करना पड़ रहा है। रूसी टैंक यूनिट की तरफ से लड़ रहे लेफ्टिनेंट दिमित्री कोवालेंस्की ने यूक्रेनी सैन्य अधिकारियों की मौजूदगी में कहा है कि पूर्वोत्तर यूक्रेन के सुमी से हमारा काफिला गुजर रहा था। तभी सैन्य ड्रोन व कंधे के जरिये छोड़ी जाने वाली एंटी टैंक मिसाइल से हम पर हमला हो गया और हमारा पूरा काफिला जल गया। देश के प्रति निष्ठा और समर्पण के प्रति यूक्रेन की महिलाओं का जज्बा किसी से कम नहीं। अब दुश्मन रूस की सेना भी इसे स्वीकार कर रही है।

रूस और यूक्रेन में जो युद्ध चल रहा है, उसके चलते आने वाले दिनों में मुद्रास्फीति के और बढ़ने की आशंका है। रूस दुनिया में तेल सप्लाई करने वाला दूसरा बड़ा देश है।

नए सिरे से तैयार

ब्रह्मदीप।।

रूस की शक्तिशाली सेना को रोकने के लिए यूक्रेन ने गुरिल्ला पद्धति को अपनाया हुआ है। यूक्रेनी सैनिकों की छोटी और फुर्तीली इकाइयां रूसी टैंकों के लंबे काफिले पर घात लगाकर हमला कर रही हैं। इसमें यूक्रेन की सेना में शामिल महिला इकाई की खास भूमिका है। 38 साल की यूलिया मतविनेको दो बच्चों की माँ है,वह मूल रूप से अर्थशास्त्री है। अपने देश पर संकट आते ही वे यूक्रेन की सेना में शामिल हो गई है। यूलिया यूक्रेनी सेना में एक स्नाइपर है, सेना के सबसे घातक और खतरनाक योद्धाओं में स्नाइपर को शुमार किया जाता है। उन्हें दुश्मन की चीखों से कोई डर नहीं लगता और वे अपने देश की हिफाजत के लिए किसी हद तक जा सकती है। एक और नवयुवती वोल्गा बंकर में तैयार है, वह लगातार सुरक्षा के लिए बंकर के बाहर आती है। सेना की वर्दी पहले वोल्गा के हाथों में स्नाइपर राइफल है जो अपने दुश्मन को पलक झपकते ही खत्म कर सकती है।

दरअसल दुनिया की सबसे खतरनाक सेनाओं में शुमार रूस की सेना को कभी यह अंदाजा भी नहीं होगा की यूक्रेन में उनका इतना जबरदस्त प्रतिकार होगा और युद इतना लंबा खींच जायेगा। रूस की सेना अब भी यूक्रेन के कई शहरों में कब्जा करने में कामयाब नहीं हो सकी है और

इसका प्रमुख कारण यूक्रेनी महिलाओं का सैन्य मोर्चे पर तैनात होना माना जा रहा है।

2014 में यूक्रेन के शहर क्रीमिया में रूस की कब्जे के बाद से ही यूक्रेन की महिलाओं ने अपने देश की सुरक्षा के लिए सेना में शामिल होने को सबसे ऊपर रखा। यहीं कारण है कि यूक्रेन के विभिन्न शहरों में रूसी सेना के सामने वह बड़ी संख्या में युद क्षेत्र में डटी हुई है। कीव में पिछले कई दिनों से भीषण लड़ाई चल रही है। तमाम कोशिशों के बाद भी रूस की सेना कीव को अपने कब्जे में लेने में सफल नहीं हो पा रही है,जबकि रूस की सेना ने कीव को चारों और से घेर लिया है। इरिना रयबाकोवा यूक्रेन की ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल में जनसंपर्क प्रबंधक रही है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल एक अंतर्राष्ट्रीय गैर–सरकारी संगठन है। इसका प्राथमिक उद्देश्य नागरिक उपायों के माध्यम से वैश्विक भ्रष्टाचार का मुकाबला करना और भ्रष्टाचार के कारण उत्पन्न होने वाली आपराधिक गतिविधियों को रोकने हेतु कार्रवाई करना है। इरिना अब यूक्रेनी सशस्त्रबलों में एक जूनियर सार्जेंट के रूप में कार्य करती है और वह पूर्वी यूक्रेन में अपने सैन्य अड्डे पर संभावित रूसी आक्रमण का जवाब देने की तैयारी कर रही है। 37 साल की रयबाकोवा रूस के खिलाफ लड़ने वाले अग्रिम मोर्चे पर तैनात है, वह अमेरिका में वेटरन्स फेलोशिप में चयनित होकर प्रशिक्षण लेकर लौट आई है। उसे और अन्य लोगों को एक रूसी अग्रिम को रोकने के उद्देश्य से आपातकालीन अभ्यास के लिए अपने ठिकानों पर वापस बुलाया गया है। इन महिलाओं का मानना है कि रूस की आक्रामकता उन्हें अधिक एकजुट कर रही है और वे रूस की सेना से निपटने के लिए बिल्कुल तैयार है।

रयबाकोवा यूक्रेन की सेना में सेवारत लगभग बत्तीस हजार महिलाओं में से एक हैं। जब से यूक्रेन के पूर्व में रूस समर्थक विद्रोह ने एक सैन्य संघर्ष को जन्म दिया है तब से यूक्रेन की सेना को नए सिरे से तैयार किया गया है। इस दौरान देश की महिलाओं की सेना में भूमिका में एक बड़ा बदलाव आया है। खासकर यूक्रेन के लोग जिस प्रकार रूस से अंतिम दम तक लड़ने को तैयार दिख रहे है, ऐसे में यह लंबे समय तक हिंसा और अस्थिरता को बढ़ावा देगा।

अष्टयोग-5021

3		1	4	7		
6	35	5	30		25	
		2			1	
1	33		31	4	29	2
	6		1	5		
4	33	3	31	6	37	6
		7			6	3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5020 का हल

5	7	2	4	3	6	1
3	31	1	23	6	32	2
6	3	4	1	2	7	5
1	30	6	33	4	36	4
2	1	7	4	5	6	3
7	35	3	35	7	37	6
4	6	5	3	1	2	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

अपना ब्लॉग — सामने कितना शक्तिशाली दुश्मन

मोहन। पश्चिम यूक्रेन में अपने बेस में तैयार ओक्साना कुज्मा को यह फर्क नहीं पड़ता की उसके सामने कितना शक्तिशाली दुश्मन है। ओक्साना के पास घातक हथियार भी है और वह एक छोटा सा मेकअप बॉक्स भी अपने पास रखती है। कुज्मा यूक्रेन की सेना में प्रथम रैंक की अधिकारी है। उनका यूक्रेन में बड़ा नाम है उन्होंने पूर्वी डॉनबास क्षेत्र में चार साल बिताएं है। इस इलाके में रूसी समर्थित बलों के साथ यूक्रेन का संघर्ष चलता रहा है। इस समय डॉनबास पर रूस का पूरा कब्जा हो चूका है। दक्षिणी यूक्रेन में आजोव सागर के किनारे बसे शहर हेनिचेस्क में एक यूक्रेनी महिला का वह वीडियो दुनिया भर में लाखों बार देखा जा चूका है जिसमें वह आधुनिक हथियारों से सुसज्जित रुसी सैनिकों से कहती है कि वे जिंदा रहना चाहते है तो तुरंत यूक्रेन की जमीन को छोड़कर चले जाएं। महिला रुसी सैनिकों को चेतावनी देते हुए कहती है कि आपको अपनी जेब में सूरजमुखी के बीज डालने चाहिए ताकि वे आपके मरने के बाद यूक्रेनी भूमि पर उग सकें।